

शिजरा ए मुबारिका

सिलसिला ए आलिया कादरीया मुनव्वरिया मअमुरिया करीमिया
अमीरिया मुईनिया फैज़ानिया सैफिया हमीदिया मुतबरिका

लब ये हैं या रब तेरी हम्द ओ सना के वास्ते
या इलाहुल आलमीन! अपनी रज़ा के वास्ते
या इलाही मुस्तुफा वा मुर्तुज़ा के वास्ते
बाकर वा जाफर और रिज़ा के वास्ते
हज़रते बू बक्र शिब्ली अब्दे वाहिद बू फराह
दस्तगीरी पुल सिरात में करना खुदा !!
दौलत ए दारेन से या रब सआदत याब कर
कर मुनव्वर कल्ब वा जान को या ! रब अपने नूर से
रख नज़र लुत्फो करम की या रब मुझ पे हर घड़ी
दे गुलामी का शर्फ मुझ को रसूले पाक की
दो जहाँ की दे अमीरी अपने लुत्फे खास से
नूरे ईमां दौलते इरफ़ान कर अताए करीम !
मेरी हर मुशिकल मे या रब ! तू ही मेरा हो मुईन
फैज़ कर फैज़ान से जारी सदा रब्बे करीम
कर दे मालामाल या रब ! दौलत ए ईमान से
या इलाही करते रहें हम तेरी हम्द ओ सना
इस्तिफ़ामत और ईमाने हकीकी दे हमें
खवाज्गाने कादरी के फैज़ से कर फैज़याब
हम हैं बद अमाल बद कर हमारी दर गुज़र
बन्दाये नाचीज़ की कर ले दुआओ को कुबूल

हाथ फर्यादी उठाए हैं दुआ के वास्ते
खोल दे बाब ए हिजाबत मुस्तुफा के वास्ते
और हुसैन ज़ैन आबिद रहनुमा के वास्ते
करखी वा सकती जुनैदे पारसा के वास्ते
बुल हसन वा बू सईदे बा सफा के वास्ते
गौस ए आजम दस्तगीरे औलिया के वास्ते
शाह कबीरुद्दीन दौला बा खुदा के वास्ते
शेख ए आलम शाह मुनव्वर की ज़िया के वास्ते
खवाजा अब्दुल करीम पुर ज़िया के वास्ते
हज़रते शाह गुलाम अब्बे सखा के वास्ते
शाह अमीरे दो जहाँ इश्के आशना के वास्ते
शाह वजीहुद्दीन सैय्यद बा खुदा के वास्ते
शाह मुईनुद्दीन् सैय्यद हक़ नुमा के वास्ते
अपनी इज्ज़ो शानो अज़मत बे बहा के वास्ते
शाह जलालुद्दीन अख्तर बे रिया के वास्ते
शाह हमीदुल्लाह हबीबे औलिया के वास्ते
पंजतन और चार यार बा सफा के वास्ते
खानदाने कादरी के औलिया के वास्ते
बख़श दे अपने करम से औलिया के वास्ते
सिलसिले के मेरे इक इक औलिया के वास्ते

दाखिले सिलसिला ए आलिया कादरीया मुनव्वरिया फैज़ानिया सैफ़िया हमीदिया

जनाब-_____वल्द-_____

तारीख -_____पता -_____

दस्तखत व मुहर मुशिदे तरिकत-